

बने सिंह बनाम नगाम नदी

तारीख हुयम

हुयम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

डा. फरब (बनाम)

सु.न-46/2020

02.09.2021

पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उभय पक्षकारान् उपस्थित। प्रकरण में बहस वकुलाय उभय पक्षकारान् सुनी गई। दौरान बहस वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र वाजदायरी को प्रार्थीगण के धर पर दिनांक 20.08.2019 को आवश्यक कार्य हो आने के कारण हाजिर अदालत उपस्थित नहीं आने के कारण प्रकरण अदम हाजरी व अदम पैरवी में दिनांक 20.08.2019 को खारिज हो जाने तथा जिसकी जानकारी वकील प्रार्थीगण को होते ही वकील प्रार्थीगण ने किसी प्रकार का कोई विलम्ब किये बिना प्रकरण में वाजदायरी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर दिये जाने से वाजदायरी प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर पुनः नम्बर पर लिये जाने का निवेदन वकील प्रार्थीगण द्वारा किया गया है। वहीं वकील अप्रार्थीगण ने वाजदायरी प्रार्थना पत्र को बिना अधिवक्ता के ही न्यायालय में वाद पत्र व प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा को पेश किया जाना तथा दिनांक 20.08.2019 को न्यायालय के समक्ष वादी/प्रार्थी के या इनकी ओर से किसी भी अधिवक्ता के उपस्थित नहीं आने पर अदम हाजरी व अदम पैरवी में वादपत्र व प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा के खारिज हो जाने से प्रार्थना पत्र वाजदायरी कानूनन चलने योग्य नहीं होने से खारिज किये जाने का निवेदन अपनी बहस में किया है।

हमने बहस वकुलाय सु.न.सगौर मनन किया एवं प्रार्थना पत्र पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया गया। जिनके अवलोकन से वकील प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र वाजदायरी को न्यायालय में पेश किये एक वर्ष से भी अधिक का समय हो जाने तथा दावा व प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रस्तुतीकरण के समय न्यायालय में कार्य स्थगन/बहिष्कार होने से वकील वादी/प्रार्थी द्वारा वकालतनामा पेश नहीं किया जाना प्रकट होता है। जिसके कारण प्रार्थना पत्र वाजदायरी को न्यायहित में स्वीकार किया जाना उचित प्रतित होता है। अतः वकील प्रार्थी द्वारा पेश प्रार्थना पत्र वाजदायरी स्वीकार किये जाने योग्य पाये जाने पर वाजदायरी प्रार्थना पत्र स्वीकार किया

—लगातार—

वनेसिंह बनाम नगरम

हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

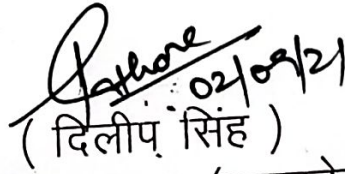
नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तालीम
में जारी हुए

प्रो पत्र

सू.नं - 46/2020

जाता है तथा प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा को पुनः नम्बर पर लिया जाता है। वकुलाय उभय पक्षकारान् को मूल वाद पत्र व प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा में न्यायालय के समक्ष दिनांक 05.10.2021 को उपस्थित होने हेतु पाबन्द किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

यह निर्णय आज दिनांक 02.09.2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(दिलीप सिंह)

सहायक कलक्टर (फास्टट्रेक)
श्रीमाधोपुर (सीकर)